डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी ने किया रवींद्रनाथ टैगोर का स्मरण

रवींद्रनाथ टैगोर के पाठ एवं अनुवाद पर हुई चर्चा

रवींद्रनाथ टैगोर ने 'सुंदरता' की सार्थकता उसके 'अच्छे' होने में देखी थी – प्रयाग शुक्ल

नई दिल्ली। 9 मई 2019 : साहित्य अकादेमी ने आज रवींद्रनाथ टैगोर के 158वें जन्म दिवस (7 मई) पर 'पाठ एवं अनुवाद' विषय पर एक साहित्य मंच का आयोजन किया। कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत भाषण देते हुए अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर के लिए 'गुरुदेव' का संबोधन ही उनके व्यक्तित्व की विराटता को प्रदर्शित करता है। उनका प्रभाव भारतीय समाज के हर क्षेत्र पर अभी भी है और आने वाले समय में भी रहेगा। उन्होंने साहित्य अकादेमी द्वारा उनकी जन्मशतवार्षिकी से लेकर अभी तक आयोजित किए गए कार्यक्रमों की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रख्यात अंग्रेजी लेखिका एवं साहित्य अकादेमी के अंग्रेजी भाषा परामर्श मंडल की संयोजिका संयुक्ता दासगुप्ता ने 'टैगोर एवं अनुवाद' विषय पर बोलते हुए कहा कि अनुवाद अपने आप में एक नया सृजन है और इसमें जिस भाषा में अनुवाद कर रहे हैं, उसकी संस्कृति को भी जानना समझना पड़ता है। उन्होंने *गीतांजलि* के अंग्रेज़ी अनुवाद की चर्चा करते हुए नोबल पुरस्कार देने वाली संस्था स्वीडिश अकादमी के हवाले से कई टिप्पणियों को उद्धृत करते हुए कहा कि टैगोर की कविताएँ मूल बाङ्ला में अंग्रेजी अनुवादों से बेहतर हैं। उन्होंने टैगोर द्वारा पुरस्कार प्राप्त करने के बाद लिखे गए पत्र का भी कुछ अंश प्रस्तुत किया।

प्रख्यात हिंदी लेखक एवं अनुवादक प्रयाग शुक्ल ने 'रवींद्रनाथ टैगोर का सौंदर्य चिंतन' विषय पर बोलते हुए कहा कि टैगोर की दुनिया बहुत बड़ी है। उसमें जितना ही उतरा जाए उतना ही विस्तार मिलता जाता है। रवींद्रनाथ टैगोर ने 'सुंदरता' की सार्थकता उसके 'अच्छे' होने में देखा है। उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर के सौंदर्य चिंतन पर प्रकाशित एक अंग्रेज़ी पुस्तक का जिक्र करते हुए कहा कि रवींद्रनाथ के लिए लय, संगीत और उनमें निबद्ध चीजों से बना कोई पूर्ण रूप ही सौंदर्य की सही पहचान है।

प्रसिद्ध अंग्रेज़ी लेखिका मालाश्री लाल ने 'टैगोर एवं स्त्री' विषय पर चर्चा करते हुए उनके कई पत्र और कविताएँ प्रस्तुत की, जिसमें टैगोर ने स्त्री के सौंदर्य को विभिन्न दृष्टिकोणों से अंकित किया था। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी कई कविताएँ पत्र जैसी ही महसूस होती है। पंजाब विश्वविद्यालय, चंढीगढ़ से आए सुखदेव सिंह ने "टैगोर एवं वाचिक संस्कृति' विषय पर बोलते हुए कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर का पंजाब से एक गहरा और आत्मीय रिश्ता रहा है। वे अपने पिता जी के साथ 12वर्ष की उम्र में लगभग 1 महीने अमृतसर में रहे थे और प्रतिदिन वहाँ के गुरुद्वारे में कीर्तन सुनने जाया करते थे। उन्होंने पंजाब के दो बड़े लेखकों बलवंत गार्गी और बलराज साहनी का जिक्र करते हुए कहा कि इन दोनों ने गुरुदेव के कहने पर ही अपनी मातृभाषा पंजाबी में लिखना शुरु किया। प्रख्यात अंग्रेजी लेखिका, आलोचक एवं अनुवादक राधा चक्रवर्ती ने 'मौलिक टैगोर : अनुवाद में टैगोर' विषय पर बोलते हुए कहा कि टैगोर एक अच्छे अनुवादक भी थे और उन्होंने कई अंग्रेजी अनुवाद पश्चिमी देशों के अनुसार ही विशेष रूप से किए थे। उन्होंने टैगोर की रचनाओं के क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद होने की जरूरत पर बल दिया।

कार्यक्रम में हिंदी बाङ्ला के कई प्रसिद्ध लेखक एवं अनुवाद उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेज़ी संपादक स्नेहः चौधुरी ने किया।

के. श्रीनिवासराव

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

Bisleri

प्रयाग शुक्ल
Prayag Shukla
कविता की भाषा और भाषा का समाज
प्रयाग शुक्ल
क्ता दासगुप्ता
kta Dasgupta

साहित्य अकादेमी

SAHITYA AKADEMI

साहित्य अकादेमी

साहित्य मंच

LITERARY FORUM